

den so v. a. stehend, wachsend TRIK. 2, 4, 43. उद्भूतामत्तर्नात्स्वतीम् KATHÁS. 42, 171. पत्रास्य मन्युद्भूतः MBH. 1, 412. यौवनोद्भूतप्रभूतद्वयातिशया Z. d. d. m. G. 14, 569, 15. Spr. 2822. विपद्भूतवैद्व्यं SOM. NALA 125. शोक KATHÁS. 5, 101. उद्भूतद्वयं नयनस्य गेचरः was eine bestimmte (proportionate Röck) Form hat BHÁSHÁP. 53. fg. उद्भूतस्पर्शवत् so v. a. fühlbar 55. — 2) sich entwickeln zu, zu mehr werden, zunehmen, wachsen, steigen: ते वै पञ्चान्युद्भवा पञ्चान्युद्भवा कल्पिताम् AIT. BR. 3, 23. स वा एष एकस्त्रिधा भूतो ऽष्टधैकादशधा द्वादशधापरिमिता वा उद्भूतः MAITRĀJUP. 3, 2. उद्भूतव्यं ebend. प्रवलयनवेगोद्भूतवेग (पावक) RT. 1, 24, v. l. für उद्भूत. क्वाचिद्भूततरं याति कुण्डलं क्वाचिद्गामत् । विनतं (so ed. Bomb.) क्वाचिद्भूतं क्वाचिद्याति शनैः शनैः ॥ angeschwollen, gehoben, gestiegen R. 1, 44, 25 (43, 16 GORR.). — 3) zureichen, gleichkommen: तेषामति त्रीण्यरिद्यत् न त्रीण्युद्भवन् TBR. 1, 3, 12, 1. 3. ÇAT. BR. 8, 7, 2, 16. — 4) sich erheben, aufstehen, sich empören KATHÁS. 21, 63. — Vgl. उद्भव, उद्भू, उद्भू fg. — caus. hervorbringen, erzeugen: मायां मयोद्भव्य परीति-तो ऽसि RAGH. 2, 62. उद्भावयस्व वीर्यम् entfalle, zeige MBH. 3, 4511. घ्रा-त्मतत्त्वविवेकस्य भावमुद्भावयामि den Sinn entwickeln, erläutern Verz. d. Oxf. H. 243, b, No. 602. ईश्वरानुद्भाविता वा शक्तिः (शब्दस्य) von Gott nicht geschaffen, — gegeben SÁH. D. 11, 6. (in der Vorstellung) erzeugen VEDÁNTAS. (Allab.) No. 39. — Vgl. उद्भावन fg.

— प्रोद्, partic. प्रोद्भूत hervorgekommen, entstanden: °पुलक HARIV. 15709. MĀRK. P. 61, 22. Spr. 830, v. l. प्रोद्भूतासक्तृत् 229. कथं पद्म समुद्भूतं ब्रह्मा तत्र कथं भवेत् । प्रोद्भूतेन कथं सृष्टिः कृता तेन Verz. d. Oxf. H. 12, a, 7. प्रोद्भूतैरपि ह्यरतः (अर्थः) hergekommen Spr. 2324.

— समुद् 1) hervorgehen, entspringen, entstehen: शोकः समुद्भवति GHAT. 5. घ्रापत्सु वैराण्य समुद्भवति Spr. 781, v. l. partic. समुद्भूत hervorgegangen, entsprungene, entstanden: मेनका° (अपत्य) Schol. zu ÇĀK. 41. SŪRĀS. 12, 1. VP. bei MUIR, ST. IV, 218. कुल° Spr. 1932. मलया-द्रिसमुद्भूता नद्यः MĀRK. P. 57, 28. घमत R. 1, 43, 44 (46, 29 GORR.). पद्म Verz. d. Oxf. H. 12, a, 6. प्रनापीडनसंतापात्समुद्भूतो ऊताशनः Spr. 1832. R. GORR. 2, 23, 5. दारदेशात्समुद्भूतः — प्रुश्रुवे भुजनिःस्वनः MBH. 1, 5373. वितनाशासमुद्भूतशोकं PAÑKĀT. 42, 1. MĀRK. P. 44, 12. vorhanden PRATĀ-PAR. 88, a, 3. Statt समुद्भूत in der Stelle मरुवातसमुद्भूत (रत्नम्) R. 2, 30, 13 liest die ed. Bomb. besser समुद्भूत. — 2) zunehmen, wachsen, steigen SUÇR. 4, 207, 13. — Vgl. समुद्भव.

— उप sich nahen zu (acc.): उप मामुच्चा युवतिर्बभूयाः RV. 10, 183, 2. beistehen, helfen zu: घस्या ऊ पु ण उप सातयं भुवः 1, 138, 4. — desid. Jmd helfen wollen: यः कल्प्याणुगुणान् ज्ञातीन्धेवानोपबभूषति (प्रदेषानो वु° ed. Bomb.) MBH. 12, 3514.

— नि, s. निभूत.

— प्राणि oder प्राणि VOP. 8, 33.

— निस् von der Stelle kommen: प्रेमन्धः ख्यन्निः श्रोणो भूत् der Blinde sieht, der Lahme geht RV. 8, 68, 2. 4, 19, 9. — Vgl. निर्भूति.

— परा 1) vergehen, hinschwinden, hinsetzen, unterliegen, verkommen: सपत्न्यः पराभूवे AV. 1, 29, 4. 5, 18, 10. 12, 4, 45. 49. AIT. BR. 2, 15. 32. 3, 39 (ÇAT. BR. 14, 4, 1, 8). 6, 35. TS. 1, 6, 10, 2. भूद्वा भूवा परा भविष्यति TBR. 1, 1, 4, 4. ÇAT. BR. 1, 5, 4, 16. 2, 4, 2, 2. 8, 4, 4, 3. KHĀND. UP. 8, 8, 4. तत्परभवति कुलम् KAUC. 94. पराभविष्यत्यसुराः MBH. 5, 4301. एका-

त्तेन ह्यनीहो ऽयं परभवति पूरुषः 3, 1240. यमिच्छेयुः स राजा स्याद्यो नेष्टः स परभवत् 13, 2099. 2102. यथा ते कुलतनुश्च धर्मश्च न परभवत् MBH. 1, 4067. परभूयमानविवेक इव BHĀG. P. 5, 1, 29. पराभूत und अर्प-राभूत ÇAT. BR. 1, 5, 2, 4. 2, 3, 2, 20. 3, 6, 2, 26. परभूतत्रेण verdorben KAUC. 47. — 2) Jmd (acc.) besiegen: यो राघवं रणे — परभवत् R. 3, 66, 14. नचिरातं रिपवः परभवति KĀM. NITIS. 13, 94. परभूत besiegt AK. 2, 8, 2, 80. H. 805. — 3) Jmd (acc.) zu nahe treten, ein Leid verursachen, beleidigen: कर्णस्यानीकमकृन्तपरभूत (= प्रक्रीयित Schol.) इवात्तकः MBH. 8, 775. यदुत्साही सदा मर्त्यः परभवति सज्जानन् Spr. 2375. राज-पुत्रः परभूतो माधवो नाम गोत्रज्ञैः KATHÁS. 24, 114. चटका केनचिदुष्टगतेन परभूता (अष्टकस्फोटनेन) PAÑKĀT. 81, 8. नहि तेषां परभूताः पुण्यवन्तो जगत्त्रये PAÑKĀR. 1, 10, 84. — Vgl. परभव fg., परभूति. — caus. 1) verderben (trans.), zu Grunde richten: इन्द्रो मणिनासुरान्परभाभवत् AV. 8, 5, 3. 12, 5, 43. TBR. 1, 1, 8, 6. 7, 1, 6. तानसंभाव्यं परभावयततो वै देवा अभवन्परासुराः AIT. BR. 3, 39. ÇAT. BR. 11, 2, 2, 24. 12, 9, 2, 6. KĀTH. 30, 9. besiegen: पञ्चघ्नान् BHĀG. P. 3, 22, 30. स्वां प्रकृतिम् 28, 44. — 2) hinschwinden, verkommen, eine Einbusse erleiden: घ्रात्मन् (loc.) भावयसे तानि न परभावयन्स्वयम् BHĀG. P. 2, 3, 5.

— घ्नुररा nach Jmd verderben: पञ्च परभवत्तनुपरभवति AIT. BR. 2, 32. TS. 5, 4, 10, 3. — caus. TS. 5, 2, 8, 4.

— परि 1) um Etwas her sein, umfassen, umfassen; einschließen, in sich enthalten: अत्रान् नेमिः परि तान्बभूव RV. 1, 32, 15. 164, 36. 2, 5, 3. 3, 3, 9. 7, 104, 6. 9, 102, 1. द्वे पवस्ते परि तं न भूतः 10, 27, 7. 88, 14. न तोषाभ्यां परिवृत्तं त इन्द्रियम् 2, 16, 3. केन पर्यभवाद्दिवम् AV. 10, 2, 18. 8, 36. परि यद्भूयो रोदसी चिदुर्वो RV. 6, 67, 5. AIT. BR. 4, 23. TBR. 3, 12, 3, 1. — 2) umkreisen, umgehen, umfliegen: परि यो सद्यो अयसो बभूवुः RV. 4, 33, 1. begleiten: तं त्वा मरुत्वतां परि भुवद्वापीं स्यावरी 7, 31, 5. — 3) besorgen, leiten: स कृता विश्वं पारं भूवधर्मम् RV. 2, 2, 5. यासां सोमः परि राश्यं बभूव deren Reich Soma regiert AV. 12, 3, 31. — 4) mehr sein, übertreffen, bemeistern, besiegen: परि प्रज्ञातः क्रवां बभूव RV. 1, 69, 2. न मायामिर्धनदा पर्यभूवन् 33, 10. परि यदैयामेको विश्वेषां भु-र्वमकृत्वा 68, 2. AV. 13, 1, 25. लग्नादरेफं परिभूय पञ्च समेधलेखं शाशि-नश्च विन्वम् । तदाननश्रोर्लकैः प्रसिद्धैश्चिच्छेद् सादृश्यकथाप्रसङ्गम् ॥ KU- MĀRAS. 7, 16. RAGH. 10, 36. अरिगणं नियतं व्यसने स्थितं परिभवति KĀM. NITIS. 14, 68. KATHÁS. 49, 63. तं रिपुं स्वज्ञातीयं युद्धेन परिभूय PAÑKĀT. 232, 18. उपायज्ञो ऽल्पकायो ऽपि न प्रैरेः परिभूयते Spr. 497. KĀM. NITIS. 13, 75. PAÑKĀT. 47, 3. कुम्भकर्णो रणे पुसा कुद्धः पारभविष्यते (pass.) BHĀT. 16, 18. परिभूत besiegt, überwunden H. 805. परिभूतगतत्रयं BHĀG. P. 3, 22, 36. — 3) Jmd umgehen so v. a. nicht beachten, geringschätzen, mit Geringsachtung behandeln: भृत्याः परिभवत्येनम् MBH. 3, 1035. न त्वां परिभवन्ब्रह्मन्प्रकृसामि 13, 490. R. 2, 33, 18. ÇĀK. CH. 69, 6. रक्तं पु-रुषं स्त्रियः परिभवति Spr. 3313. BHĀT. 1, 22. MĀRK. P. 41, 7. BHĀT. 4, 37. न त्वां परिभवामहे MBH. 13, 3867. परिभूय 1, 6158. 6279. DRAUP. 6, 17. R. GORR. 1, 32, 8. 3, 38, 11. MĀRK. P. 123, 21. MUDRĀR. 27, 9. मृडार्हे परिभूयते R. 2, 21, 11. तमीं श्चेकरो राम लोकेन परिभूयते R. GORR. 2, 18, 14. Spr. 459. 473. fg. 1145. 1614. 1992. 2429, v. l. 3126. अवनचरापसदैः परि-भूयमानो मत्तिकादिभिरिव वनगजस्तर्जनताडनावमकृन्तृषीवनप्राक्शकृद्-जःप्रलेपपूतिवातडु हतैः BHĀG. P. 5, 3, 30. परिभूत = अवनगणित AK. 3,